श्री शिवनामावळ्यष्टकं

श्री शिवनामावळ्यष्टकं

हे चंद्रचूड मदनांतक शूलपाणे
स्थाणो गिरीश गिरिजेश महेश शंभो |
भूतेश भीतभयसूदन मामनाथं
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 1 ||

हे पार्वतीहृदयवल्लभ चंद्रमौळे
भूताधिप प्रमथनाथ गिरीशचाप |
हे वामदेव भव रुद्र पिनाकपाणे
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 2 ||

हे नीलकंठ वृषभध्वज पंचवक्त्र
लोकेश शेषवलय प्रमथेश शर्व |
हे धूर्जटे पशुपते गिरिजापते मां
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 3 ||

हे विश्वनाथ शिव शंकर देवदेव
गंगाधर प्रमथनायक नंदिकेश |
बाणेश्वरांधकरिपो हर लोकनाथ
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 4 ||

वाराणसीपुरपते मणिकर्णिकेश
वीरेश दक्षमखकाल विभो गणेश |
सर्वज्ञ सर्वहृदयैकनिवास नाथ
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 5 ||

श्रीमन्महेश्वर कृपामय हे दयाळो
हे व्योमकेश शितिकंठ गणाधिनाथ |
भस्मांगराग नृकपालकलापमाल
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 6 ||

कैलासशैलविनिवास वृषाकपे हे
मृत्युंजय त्रिनयन त्रिजगन्निवास |
नारायणप्रिय मदापह शक्तिनाथ
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 7 ||

विश्वेश विश्वभवनाशक विश्वरूप
विश्वात्मक त्रिभुवनैकगुणाधिकेश |
हे विश्वनाथ करुणामय दीनबंधो
संसारदुःखगहनाज्जगदीश रक्ष || 8 ||

गौरीविलासभवनाय महेश्वराय
पंचाननाय शरणागतकल्पकाय |
शर्वाय सर्वजगतामधिपाय तस्मै
दारिद्र्यदुःखदहनाय नमः शिवाय || 9 ||

इति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य श्रीगोविंदभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य श्रीमच्छंकरभगवतः कृतौ
श्रीशिवनामावळ्यष्टकं संपूर्णं ||